भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 765
29 नवंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

कुष्ठ रोग के मामले

765. श्री बैजयंत पांडा:

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले दस वर्षों के दौरान भारत में सामने आए कुष्ठ रोग के मामलों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) विशेषकर अधिक फैलाव दर वाले राज्यों में कुष्ठ रोग के फैलने से रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/उठाए जाने का प्रस्ताव है;
(ग) देश में कुष्ठ रोग नियंत्रण कार्यक्रमों के लिए धन के आवंटन का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या देश में ऐसे सबसे अधिक मामलों वाले राज्यों को कोई अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराए जाने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) क्या सरकार ने कुष्ठ रोगियों के प्रति पूर्वाग्रह से निपटने के लिए कोई उपाय किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा कया है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): पिछले 10 वर्षों (वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2023-24) के दौरान भारत में दर्ज कुष्ठ रोग के मामलों का विवरण

वर्ष	भारत में दर्ज मामले
2014-15	125785
2015-16	127334
2016-17	135479
2017-18	126164
2018-19	120334
2019-20	114451
2020-21	65147
2021-22	75394
2022-23	103819
2023-24	107851

स्रोत: केंद्रीय कुष्ठ रोग प्रभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(ख): राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम (एनएलईपी) द्वारा कुष्ठ रोग के प्रसार को रोकने के लिए विशेषकर उन राज्यों में जहां कुष्ठ रोग की व्यापकता दर अधिक है, कई लक्षित हस्तक्षेप लागू किए गए हैं, इनमें शामिल हैं:

- सक्रिय मामलों का पता लगाना: उच्च प्रसार वाले क्षेत्रों में निदान न किए गए मामलों की सक्रिय रूप से पहचान करने के लिए राष्ट्रव्यापी कुष्ठ रोग मामले का पता लगाने के अभियान (एलसीडीसी) चलाना।
- स्वास्थ्य सेवा के सभी स्तरों पर निःशुल्क मल्टी-ड्रग थेरेपी (एमडीटी) की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
- निगरानी और जांच: विशेष रूप से उच्च प्रसार वाले राज्यों में निगरानी को सुदृढ़ करना और प्रारंभिक पहचान के लिए संपर्कों और बच्चों की जांच करना।
- जागरूकता और कलंक में अवनति: जागरूकता, प्रारंभिक निदान और कलंक को कम करने के लिए विशेष कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान (एसएलएसी) जैसे आईईसी अभियान आयोजित करना।
- क्षमता निर्माण: बेहतर पहचान और प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य सेवा कार्यकर्ताओं और अधिकारियों को प्रशिक्षण देना।
- केंद्रित हस्तक्षेप: क्षेत्र-विशिष्ट योजनाओं, आशा-आधारित निगरानी और सिंगल डोज रिफैम्पिसिन (एसडीआर) के साथ पोस्ट-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस (पीईपी) को लागू करना।
- कार्यनीतिक योजना: 2027 तक शून्य संचरण प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय कार्यनीतिक योजना (2023-2027) के साथ कार्यों को संरेखित करना।

(ग) और (घ): पिछले तीन वर्षों में देश में कुष्ठ नियंत्रण कार्यक्रम के लिए आवंटित धनराशि नीचे दी गई है:

रुपए लाख में

2022-23	2023-24	2024-25
20028.17	25682.68	30430.38

एनएलईपी गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए सबसे अधिक मामलों वाले 15 राज्यों को आवंटित धनराशि **(अनुलग्नक-I)** में दी गई है।

ङ): एनएलईपी में कुष्ठ रोगियों के खिलाफ कलंक और पूर्वाग्रह से निपटने के लिए कई उपाय किए गए हैं, जिनमें शामिल हैं:-

- जागरूकता अभियान: सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) अभियान, यथा राज्य कुष्ठ जागरूकता अभियान (एसएलएसी), कुष्ठ रोग, इसके उपचार और रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के रेडियो स्टेशनों पर 25 सेकंड का जिंगल प्रसारित किया जाता है। इन अभियानों का उद्देश्य बीमारी से जुड़ी गलत धारणाओं और कलंक को कम करना है।
- विधायी उपाय: कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों के खिलाफ भेदभावपूर्ण कानूनों को निरस्त कर दिया गया है, और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से आग्रह किया गया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में ऐसे किसी भी शेष कानून को निरस्त करने की प्रक्रिया में तेजी लाएं।

दिनांक 29.11.2024 को उत्तर के लिए नियत लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 765 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

अनुलग्नक

सबसे अधिक मामलों वाले 15 राज्यों को आवंटित धनराशि

रुपए लाख में

क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**
1	महाराष्ट्र	2359.05	2330.63	3173.83
2	छत्तीसगढ	1614.65	1761.57	1783.88
3	दिल्ली	239.73	263.5	213.39
4	गुजरात	254.31	746.59	622.07
5	ओडिशा	954.91	870.5	761.22
6	पश्चिम बंगाल	1320.47	1295.94	1393.34
7	आंध्र प्रदेश	1316.89	1331.49	2338.11
8	बिहार	2132.00	2503.27	2755.03
9	झारखंड	855.88	784.67	1435.42
10	मध्य प्रदेश	644.29	727.35	911.31
11	तेलंगाना	1033.97	1049.07	885.46
12	तमिलनाडु	768.15	768.55	594.03
13	उत्तर प्रदेश	2527.65	6069.08	8527.37
14	कर्नाटक	968.69	1349.49	1179.23
15	राजस्थान	250.19	511.59	410.21
स्रोत: केंद्रीय कुष्ठ रोग प्रभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय				

*****